RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
14
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

PM E-DRIVE योजना / PM E-DRIVE Scheme

संदर्भ:

भारत ने हाल ही में **PM ई-ड्राइव (PM E-DRIVE)** पहल के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए अपनी पहली **ग्राहक-केंद्रित प्रोत्साहन योजना** की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत प्रति वाहन **₹9.6 लाख तक की वित्तीय सहायता** दी जाएगी। इसका उद्देश्य बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, सीमेंट और स्टील जैसे प्रमुख क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक ट्रकों को अपनाने को गति देना है। यह कदम भारत की **सतत मालवाहन (सस्टेनेबल फ्रेट मोबिलिटी)** की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है और **2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन** के लक्ष्य के अनुरूप है।

PM E-DRIVE योजना: भारत की पहली इलेक्ट्रिक ट्रक प्रोत्साहन योजना

परिचय:

- **PM E-DRIVE** भारत की **पहली समर्पित योजना** है जो **इलेक्ट्रिक ट्रकों** को प्रोत्साहन देती है – ये पहले की **FAME योजना** के तहत शामिल नहीं थे।
- इस योजना के तहत **पुराने प्रदूषणकारी डीज़ल ट्रकों की स्क्रैपिंग अनिवार्य** है ताकि नए इलेक्ट्रिक ट्रकों को सब्सिडी मिल सके।

कार्यान्वयन अवधि:

- **1 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2026** तक लागू।
- **EMPS-2024** (Electric Mobility Promotion Scheme) को इसमें समाहित किया गया है।

पात्रता शर्तें:

- बैटरी पर **5 साल या 5 लाख किमी की वारंटी** (जो पहले हो) देना अनिवार्य।
- वाहन और मोटर पर **5 साल या 2.5 लाख किमी की वारंटी** देना आवश्यक।

सब्सिडी विवरण:

1. **दोपहिया वाहन (2W):**
   - पहले वर्ष: ₹5,000 प्रति kWh (अधिकतम ₹10,000)
   - दूसरे वर्ष: ₹2,500 प्रति kWh (अधिकतम ₹5,000)
2. **तीनपहिया वाहन (3W, e-rickshaw सहित):**
   - पहले वर्ष: ₹25,000
   - दूसरे वर्ष: ₹12,500
3. **L5 श्रेणी (कार्गो थ्री-व्हीलर):**
   - पहले वर्ष: ₹50,000
   - दूसरे वर्ष: ₹25,000

ई-वाउचर प्रणाली:

- **एक व्यक्ति = एक वाहन (आधार कार्ड से लिंक)**
- वाहन बिक्री के समय **ई-वाउचर स्वत: जेनरेट** होगा।
- वाहन निर्माता (OEM) को सब्सिडी के लिए **साइन्ड ई-वाउचर अनिवार्य** होगा।

चार्जिंग स्टेशन:

- योजना EV खरीदारों की "रेंज एंग्जायटी" दूर करने के लिए चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देती है।
- उच्च EV घनत्व वाले शहरों और चुनिंदा राष्ट्रीय राजमार्गों पर EVPCS (Electric Vehicle Public Charging Stations) स्थापित किए जाएंगे।

भविष्य की संभावनाएँ (Future Prospects):

- ई-व्हीकल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम।
- सतत (Sustainable) परिवहन विकास को गति देगा—यह कार्बन उत्सर्जन को घटाने में मदद करेगा।
- भारत में ऑटोमोटिव क्षेत्र के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।
- हरित और डिजिटल परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने में सहायता करेगा।

निष्कर्ष: PM E-DRIVE योजना भारत के ग्रीन मोबिलिटी मिशन को सशक्त करेगी, खासकर भारी ट्रांसपोर्ट सेक्टर में, जो लंबे समय से डीज़ल पर निर्भर रहा है। यह पर्यावरणीय लाभ, आर्थिक सशक्तिकरण, और EV उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

IMO की 134वीं बैठक / 134th meeting of IMO

संदर्भ:

लंदन में आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) परिषद के 134वें सत्र** के दौरान भारत ने एक बार फिर **समुद्री सुरक्षा** और **लैंगिक समानता** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस मंच पर भारत ने सुरक्षित, समावेशी और सतत समुद्री परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।

IMO की 134वीं बैठक में भारत के प्रमुख हस्तक्षेप

1. IMO-नेतृत्व वाली समुद्री दुर्घटनाओं की जांच की मांग:

- **भारत ने हाल की दो बड़ी समुद्री घटनाओं को उठाया:**
  - MSC ELSA 3 का डूबना (मई 2025, कोच्चि के तट पर) – जहाज पर खतरनाक सामग्री मौजूद थी।
  - WAN HAI 503 पर आग व विस्फोट (जून 2025, केरल तट पर) – जिसमें कंटेनर खोने और खतरनाक रसायनों के रिसाव की घटनाएँ हुईं।
- **भारत की मांग:**
  - IMO इन घटनाओं की व्यापक जांच कराए।
  - IMDG कोड (International Maritime Dangerous Goods Code) के तहत लिथियम-आयन बैटरियों और अन्य खतरनाक वस्तुओं के परिवहन मानकों की समीक्षा हो।
  - पैकेजिंग, घोषणा, स्टोवेज और निगरानी के अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल को सुदृढ़ किया जाए।

2. IMO-नेतृत्व में वैश्विक मानकीकरण का प्रस्ताव:

- दुर्घटनाओं के लिए **उत्तरदायी मानक प्रोटोकॉल** बनाए जाएं।
- **संपूर्ण जहाज संचालन सुरक्षा** बढ़ाने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाएं अपनाई जाएं।

3. "सागर में सम्मान" पहल का प्रदर्शन: यह पहल 2024 में भारतीय शिपिंग महानिदेशालय (Directorate General of Shipping) द्वारा शुरू की गई।

- **उद्देश्य:**
  - **समुद्री कार्यस्थल को सुरक्षित और समावेशी** बनाना।
  - **महिलाओं की भागीदारी** को सभी स्तरों पर बढ़ावा देना – नाविक से लेकर नेतृत्व तक।
- **उपलब्धि:** भारत में महिला नाविकों की संख्या में 650% की वृद्धि दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO):

परिचय:

- IMO संयुक्त राष्ट्र की एक **विशेषीकृत एजेंसी** है, जो **अंतरराष्ट्रीय शिपिंग को नियंत्रित** करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसका मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।

मुख्य उद्देश्य:

1. **नौवहन की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना:** IMO वैश्विक स्तर पर जहाजों की **सुरक्षा** और **समुद्री संचालन की सुरक्षा** बढ़ाने के लिए नियम और मानक विकसित करता है।
2. **पर्यावरण संरक्षण:**
   - IMO का एक प्रमुख कार्य **जहाजों से समुद्री प्रदूषण को रोकना** है—जैसे तेल रिसाव, रासायनिक अपशिष्ट, प्लास्टिक, वायु प्रदूषण आदि।
   - *MARPOL (Marine Pollution)* जैसे प्रमुख समझौतों को लागू करना इसका हिस्सा है।
3. **कानूनी ढांचा:** IMO **समुद्री दायित्व**, मुआवजा, और प्रदूषण घटनाओं से संबंधित **कानूनी मुद्दों** पर भी काम करता है।
4. **प्रभावी और टिकाऊ नौवहन प्रणाली:** IMO **सतत और दक्ष समुद्री परिवहन** को बढ़ावा देता है, जो वैश्विक व्यापार और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक है।
5. **वैश्विक मानकीकरण:** IMO के सभी नियम और संधियाँ इस तरह से तैयार की जाती हैं कि वे **सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत और लागू** की जा सकें—ताकि समुद्री कानूनों और सुरक्षा उपायों में वैश्विक एकरूपता बनी रहे।

मराठा मिलिटरी लैंडस्केप्स / Maratha Military Landscapes

संदर्भ:

पेरिस में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 47वें सत्र में भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य (Maratha Military Landscapes) को देश की 44वीं विश्व धरोहर स्थल के रूप में शामिल किया गया है। यह निर्णय भारत की सैन्य वास्तुकला और दुर्ग निर्माण की गौरवशाली विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक मान्यता प्रदान करता है।

भारत का 44वां विश्व धरोहर स्थल: मराठा मिलिटरी लैंडस्केप्स-

क्या है मराठा मिलिटरी लैंडस्केप्स ?

- यह 12 किलों का एक रणनीतिक नेटवर्क है, जो 17वीं से 19वीं सदी के बीच **मराठा साम्राज्य** द्वारा विकसित किए गए थे।
- ये किले **रक्षा रणनीति, वास्तुकला**, और **भौगोलिक अनुकूलन** का अनोखा उदाहरण हैं।

स्थान:

- **महाराष्ट्र (11 किले):** सल्हेर, शिवनेरी, लोहगढ़, खांदेरी, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग
- **तमिलनाडु (1 किला):** जिन्जी किला

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य:

- ये किले **छत्रपति शिवाजी महाराज** की सैन्य दृष्टि का प्रतिबिंब हैं।
- किलों को **प्राकृतिक भू-भागों का लाभ उठाकर** आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली के रूप में विकसित किया गया।

विशेषताएं:

- **हिल फोर्ट्स:** शिवनेरी, लोहगढ़, रायगढ़, सल्हेर, जिन्जी – पहाड़ी इलाकों से एकीकृत।
- **आइलैंड फोर्ट्स:** सिंधुदुर्ग, खांदेरी, सुवर्णदुर्ग – समुद्र से घिरे हुए।
- **पठारी/जंगल वाले किले:** पन्हाला (पठारी), प्रतापगढ़ (पहाड़ी-जंगल)।
- **स्थानीय सामग्री** और **क्षेत्रीय स्थापत्य** शैली में निर्मित।
- **UNESCO मानदंड (iv) और (vi)** के तहत मान्यता:
  - (iv): सैन्य वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण
  - (vi): सांस्कृतिक और ऐतिहासिक निरंतरता

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)-

परिचय:

- **संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी**, जिसे वैश्विक शांति, सुरक्षा और विकास को बढ़ावा देने हेतु स्थापित किया गया था।
- **स्थापना:** 1945
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस
- **सदस्य देश:** 194 सदस्य और 12 सहयोगी सदस्य
- **भारत:** एक **संस्थापक सदस्य** है।

UNESCO का उद्देश्य:

- शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के माध्यम से **अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना**।
- वैश्विक स्तर पर **शांति और सुरक्षा** को सुदृढ़ करना।
- सांस्कृतिक धरोहरों और प्राकृतिक विरासत की **संरक्षा और प्रचार** करना।

विश्व धरोहर सूची में नामांकन की प्रक्रिया-

मुख्य श्रेणियां:

1. **सांस्कृतिक मानदंड** – (i) से (vi) तक
2. **प्राकृतिक मानदंड** – (vii) से (x) तक

मराठा मिलिटरी लैंडस्केप्स ऑफ इंडिया को **सांस्कृतिक श्रेणी** के अंतर्गत नामांकित किया गया है।

सांस्कृतिक स्थलों के लिए 6 मानदंड (i – vi):

(i): मानव रचनात्मकता की उत्कृष्ट कृति
(ii): महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उदाहरण
(iii): किसी सांस्कृतिक परंपरा या सभ्यता का अनूठा प्रमाण
(iv): वास्तुशिल्प या तकनीकी कृतियों का उदाहरण
(v): मानव आवास या भूमि उपयोग की पारंपरिक प्रणाली
(vi): ऐतिहासिक घटनाओं या जीवित परंपराओं से सीधा जुड़ाव

प्राकृतिक स्थलों के लिए 4 मानदंड (vii – x):

7. **(vii):** प्राकृतिक सौंदर्य और सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
8. **(viii):** पृथ्वी के विकास की प्रमुख प्रक्रियाओं का उदाहरण
9. **(ix):** पारिस्थितिकीय और जैविक प्रक्रियाओं का उदाहरण
10. **(x):** जैव विविधता और संकटग्रस्त प्रजातियों का आवास

विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट / Preliminary report of the plane crash

संदर्भ:

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) की रिपोर्ट के अनुसार, टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि विमान के दोनों इंजन अचानक **'रन' से 'कटऑफ' मोड** में चले गए, जबकि विमान पहले ही जरूरी ऊंचाई हासिल कर चुका था। यह तकनीकी गड़बड़ी हादसे का एक मुख्य कारण मानी जा रही है।

क्या होता है फ्यूल कंट्रोल स्विच ?

- यह एक **महत्वपूर्ण स्विच** होता है जो इंजन तक **ईंधन की सप्लाई को नियंत्रित** करता है।
- आमतौर पर **प्रत्येक इंजन के लिए एक स्विच** होता है—जैसे बोइंग 787 में दो इंजन तो दो स्विच।
- पायलट इसका उपयोग **इंजन स्टार्ट या शटडाउन**, और **आपात स्थिति** में करता है।

फ्यूल कंट्रोल स्विच के मुख्य हिस्से:

1. **रन (RUN) स्थिति:**
   - स्विच को *"ऑन"* करने पर इंजन में ईंधन की सप्लाई शुरू हो जाती है।
   - विमान को आवश्यक **थ्रस्ट (गति बल)** मिलना शुरू हो जाता है।
2. **कटऑफ (CUTOFF) स्थिति:**
   - इसका मतलब है ईंधन की आपूर्ति बंद।
   - इसका उपयोग लैंडिंग के बाद या **आपात स्थिति में इंजन बंद करने** के लिए किया जाता है।

क्या यह स्विच गलती से ऑन या ऑफ हो सकता है ?

- **बहुत कम संभावना** होती है।
- बोइंग 787 जैसे विमानों में यह स्विच **सुरक्षा ब्रैकेट (barrier)** से घिरा होता है।
- पायलट को पहले स्विच को ऊपर उठाना पड़ता है, फिर *RUN* या *CUTOFF* चुन सकता है।
- यह **असावधानी से एक्टिवेट नहीं हो सकता**, जिससे **गलती से ऑपरेशन की संभावना बेहद कम** होती है।

RAM Air Turbine (RAT) क्या है?

RAM Air Turbine एक ऐसा उपकरण है जो विमान को आपातकालीन स्थिति में **हाइड्रॉलिक या विद्युत शक्ति (hydraulic/electrical power)** प्रदान करता है।

कार्यप्रणाली:

- यह टरबाइन विमान की गति से उत्पन्न **वायु प्रवाह (airflow)** से घूमती है और उससे बिजली या हाइड्रॉलिक दबाव पैदा करती है।
- बड़ी RAT इकाइयाँ आम तौर पर **5 से 70 kW** तक बिजली उत्पन्न कर सकती हैं।
- छोटे RAT, जो कम एयरस्पीड पर कार्य करते हैं, **400 वाट** तक बिजली दे सकते हैं।

तैनाती (Deployment):

- सामान्यत: RAT को **फ्यूजलाज (fuselage)** या **विंग** में रखा जाता है।
- यह **स्वत: (automatically)** तब सक्रिय हो जाती है जब विमान की प्राथमिक और द्वितीयक पावर सप्लाई फेल हो जाती है।
- कुछ विमानों में पायलट **स्विच के माध्यम से मैनुअली** भी इसे एक्टिवेट कर सकता है।
- एक बार सक्रिय होने के बाद, यह टरबाइन हवा की दिशा में बाहर निकलती है और उसमें लगे ब्लेड घूमने लगते हैं।

मुख्य विशेषताएँ और लाभ:

- **बैकअप पावर:** जब इंजन या जनरेटर फेल हो जाएं, तब यह पावर सप्लाई जारी रखती है।
- **महत्वपूर्ण सिस्टम सपोर्ट:** यह उड़ान नियंत्रण, नेविगेशन उपकरण, और संचार प्रणाली जैसे **क्रिटिकल सिस्टम** को पावर देती है।
- **स्वचालित तैनाती:** अधिकांश विमानों में यह **स्वत: तैनात** होती है, जिससे आपात स्थिति में तेज़ प्रतिक्रिया मिलती है।
- **स्वतंत्र और विश्वसनीय:** यह इंजन या सामान्य विद्युत प्रणाली से **स्वतंत्र रूप से कार्य** करती है, जिससे इसकी **विश्वसनीयता** बढ़ जाती है।

ICC ने तालिबान नेताओं के खिलाफ arrest warrant जारी किया

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के दो **वरिष्ठ नेताओं** के खिलाफ **गिरफ्तारी वारंट** जारी किया है। इन पर महिलाओं, लड़कियों और सरकार की **लैंगिक नीतियों का विरोध करने वालों पर अत्याचार** करने का आरोप है। यह कदम **लैंगिक उत्पीड़न को अंतरराष्ट्रीय अपराध** के रूप में मान्यता देते हुए, **मानवाधिकार संरक्षण** की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

ICC ने तालिबान नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

यह एक ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अहम कदम है। नीचे प्रमुख तथ्य दिए गए हैं:

गिरफ्तारी वारंट किसके खिलाफ ?

- **हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा** - तालिबान के सर्वोच्च नेता
- **अब्दुल हकीम हक्कानी** - अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख

आधार: महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ व्यवस्थित उत्पीड़न: ICC ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध (Crimes Against Humanity) माना है, विशेष रूप से महिलाओं को शिक्षा, काम और सार्वजनिक जीवन से वंचित करने के मामले में।

कानूनी आधार: अफगानिस्तान ने 2003 में रोम संविधि (Rome Statute) को अपनाया था, जिससे:

- ICC को **अफगान क्षेत्र में हुए अपराधों या अफगान नागरिकों द्वारा किए गए अपराधों** पर अधिकार प्राप्त है।
- भले ही तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता न हो, फिर भी अफगान क्षेत्र में हुए अपराधों पर ICC की वैधता बनी रहती है।

प्रभाव और महत्व:

- यह पहला मौका है जब ICC ने **तालिबान नेतृत्व पर कार्रवाई की है**।
- यह कदम महिलाओं के अधिकारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गंभीरता को दर्शाता है।
- इससे **अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों** की मजबूती और ICC की सक्रियता भी सामने आई है।

पंढरपुर वारी / Pandharpur Wari

संदर्भ:

हर साल **जून-जुलाई** के महीने में **महाराष्ट्र** में हजारों श्रद्धालु **पंढरपुर वारी** नामक एक **आध्यात्मिक यात्रा** पर निकलते हैं। यह ऐतिहासिक और भावनात्मक रूप से समृद्ध यात्रा भक्तों की **विठोबा (भगवान विट्ठल)** के प्रति अटूट श्रद्धा को दर्शाती है, जिसमें लोग पालखियों के साथ भजन-कीर्तन करते हुए पैदल चलते हैं और **पंढरपुर** में विठोबा मंदिर पहुंचते हैं।

क्या है पंढरपुर वारी?

- यह **हर साल होने वाली एक भव्य पदयात्रा** (वारी या यात्रा) है, जो **महाराष्ट्र के विभिन्न भागों से पंढरपुर** (जिला सोलापुर) तक जाती है – जो **भगवान विट्ठल** (भगवान विष्णु का एक रूप) का प्रमुख तीर्थ है।
- यात्रा का मुख्य उद्देश्य है **आषाढ़ी एकादशी** के दिन पंढरपुर पहुंचकर विट्ठल-रुक्मिणी दर्शन करना।

मुख्य विशेषताएं:

- **पालखी परंपरा**: संत ज्ञानेश्वर महाराज (आलंदी) और संत तुकाराम महाराज (देहु) की **पादुका (चरणपादुका)** को पालखी में रखकर पंढरपुर ले जाया जाता है।
- **वारी में भाग लेने वाले भक्तों को वारीकरी कहते हैं**, जिसका अर्थ है "वारी करने वाला"।
- लाखों वारीकरी भक्त 15-20 दिन की यात्रा में **250+ किलोमीटर** की दूरी पैदल तय करते हैं।

इतिहास व परंपरा:

- यह परंपरा **700 से 800 वर्ष पुरानी** मानी जाती है, जो **भक्ति आंदोलन** से गहराई से जुड़ी हुई है।
- संत नामदेव, एकनाथ, तुकाराम, ज्ञानेश्वर आदि संतों ने इस परंपरा को मजबूत किया।
- वारी केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि **सामाजिक समरसता, अनुशासन, सेवा और आध्यात्मिकता का प्रतीक** है।

सांस्कृतिक महत्व:

- वारी में **भजनों, अभंगों, लेझीम, मृदंग, ताली** और **हरिनाम संकीर्तन** का संग चलता है।
- यह आयोजन न केवल भक्ति का रूप है, बल्कि **पर्यावरण जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुशासन और एकता** का संदेश भी देता है।

संचार मित्र योजना / Sanchar Mitra Yojana

संदर्भ:

दूरसंचार विभाग (DoT) ने अपनी **'संचार मित्र योजना'** को अब **देशभर में विस्तारित** कर दिया है। इस योजना का उद्देश्य मोबाइल उपभोक्ताओं को **सुरक्षित और पारदर्शी संचार सेवाएं** प्रदान करना है, जिससे वे **फर्जी सिम कार्ड**, **अवैध कॉल** और **अनधिकृत मोबाइल कनेक्शन** जैसी समस्याओं से बच सकें।

संचार मित्र पहल (Sanchar Mitra Initiative): डिजिटल जागरूकता में छात्र सहभागिता-

उद्देश्य:

- डिजिटल सुरक्षा, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, उत्तरदायी मोबाइल उपयोग, और EMF (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड) रेडिएशन को लेकर जन-जागरूकता फैलाना।
- तकनीकी छात्रों को स्वयंसेवकों (Sanchar Mitras) के रूप में जोड़कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना।

प्रमुख बिंदु:

- **स्वयंसेवकों की पहचान:**
  - **"Sanchar Mitras"** के रूप में नामित छात्र
  - क्षेत्रों से: टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर साइंस, साइबर सुरक्षा
- **नामांकन प्रक्रिया:**
  - स्थानीय **दूरसंचार विभाग (DoT)** कार्यालयों के माध्यम से
- **प्रशिक्षण और अनुभव:**
  - **नेशनल कम्युनिकेशंस एकेडमी–टेक्नोलॉजी (NCA-T)** और **DoT की मीडिया विंग** द्वारा
  - फोकस क्षेत्र:
    - 5G और 6G प्रौद्योगिकी
    - कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)
    - साइबर सुरक्षा
- **प्रोत्साहन (Incentives):**
  - इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट वर्क, और
  - इंडिया मोबाइल कांग्रेस, ITU सम्मेलन जैसे प्रमुख आयोजनों में प्रतिनिधित्व का अवसर

अस्त्र मिसाइल / Astra Missile

संदर्भ:

DRDO और **भारतीय वायु सेना** ने स्वदेशी विकसित **अस्त्र मिसाइल** का सफलतापूर्वक **फ्लाइट-टेस्ट** किया है। यह परीक्षण **सुखोई-30 MKI** लड़ाकू विमान से **ओडिशा तट के पास** किया गया, जहां मिसाइल ने **तेज़ गति से उड़ते हवाई लक्ष्यों** को सफलतापूर्वक भेदा। यह परीक्षण भारत की **स्वदेशी रक्षा क्षमताओं** को मज़बूत करने की दिशा में एक और **महत्वपूर्ण उपलब्धि** है।

अस्त्र मिसाइल: भारत की स्वदेशी एयर-टू-एयर सुपरसोनिक शक्ति

विकास और प्रकार:

- **विकसित किया गया**: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (**DRDO**) द्वारा
- **प्रकार**: **Beyond-Visual-Range Air-to-Air Missile (BVRAAM)** – यानि ऐसी मिसाइल जो दुश्मन के विमानों को दृष्टि सीमा से परे जाकर भी मार सकती है

प्रमुख विशेषताएँ:

- **मारक दूरी**: 100 किमी से अधिक
- **गति**: **Mach 4** से अधिक (ध्वनि की गति से 4 गुना तेज)
- **ऑपरेशनल ऊँचाई**: 20 किमी तक
- **ऑपरेशन क्षमता**: हर मौसम और **दिन-रात** कार्यक्षम
- **गाइडेंस सिस्टम**: अत्याधुनिक नेविगेशन और होमिंग तकनीक से लैस – उच्च सटीकता सुनिश्चित करता है

रणनीतिक महत्व:

- भारत की वायु-से-वायु युद्ध क्षमता में **स्वदेशी शक्ति** का इजाफा
- **'आत्मनिर्भर भारत'** रक्षा उत्पादन लक्ष्य की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि
- भारतीय वायुसेना के लिए **महत्वपूर्ण फोर्स मल्टिप्लायर**

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

Pathshala
नई संस्करण
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: